बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 1

21 फाल्गुन, 1939 (श.)
सोमवार, तिथि ---------------------------------
12 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 22

1.	पथ निर्माण विभाग	....	....	05
2.	ग्रामीण कार्य विभाग	....	....	10
3.	पंचायती राज विभाग	....	....	01
4.	कृषि विभाग	....	....	02
5.	ग्रामीण विकास विभाग	....	....	01
6.	पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग	....	....	02
7.	भवन निर्माण विभाग	....	....	01

		कुल योग –		**22**

पीपा पुल का निर्माण

* 170. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत दानापुर दियारा के गंगाहारा, पुरानी पानापुर, हेतनपुर, कासिमचक, पतालपुर, मानस और अकिलपुर पंचायत के दर्जनों गांवों का मुख्य बाजार दानापुर है और इनका सरल मार्ग पीपा पुल है, लेकिन पुल को जोड़ने का कार्य शुरू तक नहीं हो सका है, जिससे नाव में आदमी, जानवर, सामान और महिलाओं को एक साथ बैठाकर मनमाना पैसे वसूले जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि पीपा पुल निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है और निविदा भी निकाली गई है, किन्तु विभागीय उदासीनता के कारण पुल जोड़ने का कार्य शुरू तक नहीं हो सका है, दियारा वासियों के लिए पीपा पुल अब छलावा साबित हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त पीपा पुल निर्माण कार्य में शिथिलता क्यों बरती जा रही है और पुल को जोड़ने का कार्य कबतक पूरा करने का लक्ष्य है, यदि नहीं तो क्यों ?

सम्पर्क पथ का निर्माण

* 171. **श्री चन्देश्वर प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के सम्पतचक प्रखंडान्तर्गत नयाचक गांव स्थित प्लॉट नं.-47 के बीचोबीच पूरब से पश्चिम की ओर 8 फीट चौड़ा रास्ता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बना है, जो खेमनीचक-नयाचक सड़क में मिलती है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सम्पर्क पथ को नाला सहित पी.सी.सी. सड़क निर्माण करने के अभाव में वर्षा का पानी एवं घर से निकला गंदा पानी सड़क पर ही जमा हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में खंड 'क' पर अंकित सम्पर्क पथ को पक्का नाला सहित पी.सी.सी. सड़क निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पुल सह सड़क का निर्माण

* 172. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के डुमरिया प्रखंड के ग्राम चोन्हा पंचायत नारायणपुर में पिछले 25 वर्षों से एक पुलिस पिकेट स्थापित है, किन्तु कोठी बाजार से, चोन्हा तक जाने वाली सड़क में चोन्हा से डरौना तक सड़क की हालत बहुत जर्जर है एवं डरौना नाला पर पुल भी नहीं है, जिस कारण आने वाले पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि इलाका उग्रवाद प्रभावित है और चोन्हा पुलिस पिकेट तक जाने के लिए अच्छी सड़क एवं डरौना नाला पर पुल का निर्माण अनिवार्य है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जल्द उक्त सड़क एवं पुल का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पथ का निर्माण

* 173. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिला मुख्यालय के बंजारी मोड़ से निकल कर ब्रह्म स्थान होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 28 को जोड़ने वाली सड़क की स्थिति अत्यन्त दयनीय है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क का निर्माण नहीं होने से मोहल्ले वासियों द्वार कई बार धरना प्रदर्शन भी किया गया जिसको दैनिक समाचार पत्रों में भी प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि कार्यपालक अभियंता कार्य प्रमंडल-1, गोपालगंज द्वारा अपने पत्रांक-1493, दिनांक-19.12.2016 द्वारा अधीक्षण अभियंता, कार्य अंचल, सीवान-1 को उक्त पथ का डीपीआर भी भेज दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य सरकार उक्त पथ का निर्माण कबतक कराना चाहती है ?

सड़क का पक्कीकरण

* 174. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के सदर प्रखंड के रामाबांध से मलूकी बिगहा की सड़क का पक्कीकरण नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ पर केवल ईंट सोलिंग किया गया है, जो वाहन चलने के कारण टूट चुका है, जिससे आम जनता को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त पथ महादलित टोलों को भी जोड़ती है जो मात्र 1.5 कि.मी. है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पथ को तत्काल मरम्मती के साथ-साथ पक्कीकरण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

मानदेय का भुगतान

* 175. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के त्रिस्तरीय पंचायती राज एवं ग्राम कचहरी के निर्वाचित प्रतिनिधियों की नियत भत्ता वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 का पूर्ण रूप से भुगतान नहीं हो सका है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार त्रिस्तरीय पंचायती राज एवं ग्राम कचहरी के निर्वाचित प्रतिनिधियों का बकाया नियत भत्ता की राशि का भुगतान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

बाजार समिति का नवीकरण

* 176. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य भर की सभी 54 बाजार समितियों में पटना स्थित बाजार समिति मुसल्लहपुर (बहादुरपुर) बाजार समिति सबसे बड़ी हैं, जहां रोजाना हजारों की संख्या में खरीदार पहुंचते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त बाजार समिति में जन सुविधाओं का अभाव, हर तरफ गंदगी एवं दुकानें भी जर्जर हो चुकी हैं;

(ग) क्या यह सही है कि पटना के मुसल्लहपुर (बहादुरपुर) में ही बाजार समिति में कुल 398 दुकानें रजिस्टर्ड हैं, लेकिन यहां दुकानदारों की संख्या 700 से अधिक है, लगभग तीन दशक ज्यादा समय होने के बावजूद बाजार समिति में ना तो दुकानों की संख्या बढ़ाई गई, ना ही दुकानदारों का निबंधन ही किया गया;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मुसल्लहपुर (बहादुरपुर) बाजार समिति में नए दुकानों के निर्माण सहित उक्त सभी समस्याओं से निजात दिलाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

सड़क का निर्माण

* 177. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि माननीय मुख्यमंत्री, बिहार की 24.5.2016 की समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया था कि किऊल कुंदर जमुई पथ लखीसराय को किऊल से जोड़ता है, लेकिन इसके लगभग 30 कि.मी. की लंबाई में से दोनों तरफ से किऊल रेलवे स्टेशन से धनवी तक एवं जितेन्द्र हाल्ट से कुंदर का कार्य पथ निर्माण विभाग द्वारा पूर्ण हो चुका है, लेकिन बीच में धनवी से जितेन्द्र हाल्ट ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन रहने के कारण छोड़ दिया गया है और आजतक उसका निर्माण नहीं किया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सड़क का पथ निर्माण विभाग द्वारा अधिग्रहण कर शीघ्र निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

आवास का निर्माण

* 178. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में राज्य में गरीबों का आवास बनाने के लिए कितना निर्धारित भौतिक लक्ष्य तय किया था;

(ख) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में राज्य के निर्धारित लक्ष्य के अनुसार गरीबों के कितने आवास बन कर पूर्ण हुए है और कितने आवास अभी अधूरा बनाकर छोड़ दिया गया है तथा अभी राज्य के कितने गरीबों के पास अपना मकान नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित निर्धारित लक्ष्य के क्रियान्वयन हेतु सरकारी खाता में पर्याप्त राशि उपलब्ध है तथा इसके लिए पंचायतवार विशेष रूप से कर्मी भी उपलब्ध हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य सरकार कबतक अधूरे आवास को पूर्ण कराना चाहती है ?

पशु अस्पताल की स्थापना

* 179. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय मानक के तहत पांच हजार पशु पर एक पशु अस्पताल है जबकि बिहार में 22 हजार पर है;

(ख) क्या यह सही है कि निर्माण एजेंसी द्वारा 8 पशु अस्पताल का भवन हैंड ओवर नहीं करने के कारण चिकित्सा कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसके लिए कारगर कदम उठाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पथ की मरम्मती

*180. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत रून्नी सैदपुर प्रखंड के गाढ़ा से कोडि़या लालपुर पंचायत की लगभग आठ कि.मी. की सड़क को स्थिति काफी दयनीय एवं जर्जर अवस्था में है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ जर्जर होने के कारण आवागमन में काफी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पथ की मरम्मती एवं कालीकरण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

* 181. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिला के नौतन प्रखंड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत राज तेलआ वार्ड नं.-13 टोला खुरही में ब्रजकिशोर सिंह के घर से चकदहवा मोड़ तक लगभग एक हजार मीटर तक की सड़क की स्थिति जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है, आवागमन ठप है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सार्वजनिक हित में क्या सरकार उक्त सड़क का पुनर्निर्माण कराने का विचार रखती है ?

सड़क का जीर्णोद्धार

* 182. **श्री सोनेलाल मेहता** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिला ठाठा एन.एच. 31 से शहरकुंडी ग्राम तक जाने वाली सड़क पिछले 15 वर्षों से जीर्णोद्धार की बाट जोह रही है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सड़क हो कर वाहन तो क्या, आमजनों को पैदल चलने में काफी परेशानी होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वर्णित सड़क का जीर्णोद्धार कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

मुआवजा का भुगतान

*183. **श्री सच्चिदानंद राय** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत वर्ष 2016 में बाढ़ से हुई फसल क्षति की मुआवजा राशि 13,500 रु. प्रति हेक्टर देने का प्रावधान बिहार सरकार ने किया है;

(ख) क्या यह सही है कि तरईया प्रखंड के एक भी किसान को नवम्बर, 2016 तक मुआवजा की राशि नहीं दी जा सकी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बाढ़ से क्षति हुई फसल की मुआवजा राशि देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का चौड़ीकरण

*184. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत मोतिहारी प्रखंड के कुआरी माई चौक से लखौरा होते हुए छोड़ादानों प्रखंड के जिबिसी कैनाल तक पथ सिंगल लेन है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ में कई पुलिया जर्जर स्थिति में हैं जो कभी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकती हैं तथा उक्त पथ नेपाल सीमा तक जाती है इस पथ पर यातायात का भारी दबाव है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भारत-नेपाल सीमा को जोड़ने वाली मोतिहारी से छोड़ादानों जिबिसी केनाल तक पथों का चौड़ीकरण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

अतिथिगृह का निर्माण

*185. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिले में मात्र एक ही जिला अतिथिगृह है जिसके कारण कमरों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से अतिथियों का आरक्षण अनिश्चित रहता है, जबकि अन्य जिले में इस हेतु अतिरिक्त भवन भी निर्मित किये गये हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भागलपुर जिले में एक अतिरिक्त जिला अतिथिगृह का निर्माण कबतक कराना चाहती है ?

पॉलीथिन पर प्रतिबंध

*186. **श्री सी.पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पॉलीथिन के अत्यधिक उपयोग या दुरूपयोग ने आज पशुओं में एक ज्वलंत गंभीर एवं शोचनीय स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि प्लास्टिक या इससे बने उत्पाद विशेष रूप से पॉलीथिन दुधारु पशुओं जैसे गाय, भैंस आदि जानवरों के लिए बेहद खतरनाक है;

(ग) क्या यह सही है कि पॉलीथिन खाने की वजह से बड़ी संख्या में पशुओं की मृत्यु हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पशुओं के लिए साइलेंट किलर पॉलीथिन मुक्त समाज बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहती है, हां तो कबतक, कैसे, नहीं तो क्यों ?

प्रखंड का पुनर्गठन

*187. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में नये प्रखंडों का गठन पिछले कई दशकों से नहीं हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्तमान स्थिति में कई ऐसे प्रखंड हैं, जिसमें तीन दर्जन से भी अधिक पंचायतें हैं;

(ग) क्या यह सही है कि केन्द्र और राज्य सरकारें जिस तेजी से विकासोन्मुखी योजनाएं चला रही हैं, उसका अनुपालन करने में प्रखंडों पर काफी बोझ पड़ रहा है;

(घ) उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य में नये प्रखंडों के गठन का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

मुआवजे का भुगतान

* 188. **श्री दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत हसनपुर विथान पी.डब्ल्यू.डी. मुख्य पथ के 1/10 वें कि.मी. में उच्चस्तरीय आर.सी.सी. पुल एवं पहुंच पथ हेतु भूमि अधिगृहीत की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अधिग्रहण के विरुद्ध मुआवजे की संपूर्ण राशि का भुगतान अब तक नहीं हुआ है;

(ग) क्या यह सही है कि राशि निर्गत करने हेतु जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा आदेश भी निर्गत हुआ है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार शेष मुआवजे की राशि का भुगतान कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

* 189. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नालंदा जिलान्तर्गत गिरियक प्रखंड के ग्राम दुर्गापुर से बिहारशरीफ प्रखंड के ग्राम तेतरावां (नहर पर से) तक जाने वाली सड़क केरूआ ग्राम से तेतरावां दरियापुर सकरी नदी तक अत्यंत ही जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि इस सड़क से पावापुरी एवं जिला मुख्यालय बिहारशरीफ हजारों व्यक्ति प्रतिदिन आते-जाते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि ग्राम केरूआ से तेतरावां तक की सड़क गत वर्ष ही बनी थी, लेकिन गुणवत्तापूर्ण नहीं बनाने के कारण सड़क गड्ढे में तब्दील हो चुकी है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो खंड 'क' में वर्णित सड़क ग्राम केरूआ से तेतरावां (गौतम बुद्ध के निकट से) होते हुए सकरी नदी तक का निर्माण सरकार जनहित में अतिशीघ्र कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

\-------------------------

पुल का निर्माण

* 190. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बथनाहा प्रखंड के सुरगहिया से जगन पट्टी जाने वाली सड़क में अधवारा नदी में पुल नहीं रहने के कारण आवागमन अवरुद्ध रहता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पुल के निर्माण होने से लगभग पंद्रह हजार की आबादी का आवागमन सुगम हो जायेगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपरोक्त स्थान अधवारा नदी के सुरगहिया पश्चिम में पुल निर्माण कराने की विचार रखती है, तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

\-------------------------

सड़क का निर्माण

*** 191. डा. सूरज नन्दन प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत कुम्हरार विधान सभा क्षेत्र की पुरानी पुलिस चौकी से लेकर ट्रांसपोर्ट नगर तक ग्रामीण कार्य की सड़क है;

(ख) क्या यह सही है कि माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला योजना की बैठक में उक्त सड़क को बनाने का निर्णय हुआ था, परन्तु विभाग द्वारा केवल शिक्षक कॉलोनी मोड़ से ट्रांसपोर्ट नगर तक सड़क का निर्माण किया जा रहा है, पुरानी पुलिस चौकी से शिक्षक कॉलोनी मोड़ तक सड़क का निर्माण नहीं हो रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पुरानी पुलिस चौकी से लेकर ट्रांसपोर्ट नगर तक सड़क का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पटना
दिनांक 12 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्